RAF SECTOR

NEWS CLIP

20/02/20

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Prabhat Khabar, Jamshedpur (JKD)

दंगा और भीड़ पर काबू करने के तरीके सीखते हैं जवान

रैफ 106 में हर माह सैकड़ों सैनिकों को दी जाती है ट्रेनिंग

प्रभात खबर विशेष

निखिल सिन्हा ▷ जमशेदपुर

सुंदरनगर स्थित रैफ 106 को रैफ के पांच यूनिट का परिवर्तन प्रशिक्षण केंद्र बनाया गया है. यहां जवानों को दंगा और भीड़ को काबू करने के गुर सिखाये जाते हैं. यहां पर जून 2019 से रेंज-3 देहरादून के पांच यूनिट के जवानों को 28 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाता है. पांच यूनिट में 91 बटालियन लखनऊ, 101 बटालियन प्रयागराज, 107 बटालियन जमशेदपुर, 107 बटालियन भोपाल और 114 बटालियन जालंधर शामिल है. प्रशिक्षण के दौरान जवानों को दंगा से निपटने के बारे में जानकारी प्रैक्टिकल के अलावा थ्योरी द्वारा दी जाती है. इस दौरान मानवाधिकार और सीआरपीसी-आइपीसी के बारे भी बताया जाता है.

प्रशिक्षण में यह सिखाया जाता है : दंगा नियंत्रण ड्रिल, एंटी राइट गन ड्रिल के अलावा कानूनी जानकारी और स्पेशल वाहनों को ऑपरेट करने की जानकारी दी जाती है.

1992 का दंगा के दौरान जमशेदपुर आयी रैफ 106 : रैफ अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 1992 के दंगा के दौरान रैफ यहां आयी थी. इसके बाद भी शहर में सामाजिक लड़ाई होती रही और टेल्को सहित आसपास के क्षेत्रों में अपराध भी काफी बढ़ गयी थी, जिसको देखते हुए सीआरपीएफ के डायरेक्टर जनरल के आदेश पर 15 फरवरी 1993 को रैफ 106 बटालियन का मुख्यालय नागालैंड के दीमापुर से जमशेदपुर किया गया. इसके बाद वर्ष 1994 में जमशेदपुर को ही यूनिट का मुख्यालय बना दिया गया. छह वर्षों तक टेल्को में रहने के बाद वर्ष 2011 में बटालियन को सुंदरनगर शिफ्ट कर दिया गया.

> रैफ 106 शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए सदैव तैयार रहती है. सांप्रदायिक दंगा या भीड़ नियंत्रण के लिए रैफ सबसे आगे बढ़ कर काम करती है, ताकि समाज में शांति व्यवस्था बनी रहे. कम से कम बल का प्रयोग कर दंगा व भीड़ का नियंत्रण करना ही रैफ का उद्देश्य है.
>
> **प्रसाद कुमार सिंह,** कमांडेंट, रैफ 106

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।